गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 171
दि. 20.10.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

'दलितों के साथ अन्याय रोकने के लिए सत्ता हासिल करना जरूरी...', मायावती बोलीं- तभी होगा बहुजन का कल्याण

राजधानी लखनऊ में बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को राज्यवार पार्टी की समीक्षा की। इसके बाद कार्यकताओं के लिए निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि गांव-गांव के लाखों-लाख लोगों ने उत्तर प्रदेश के सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने के लिए तन, मन, धन, जोश, उमंग और ललक दिखाई थी। इसका अनुसरण दूसरे राज्यों को भी करने की जरूरत है। ताकि, बसपा अपना मिशन पूरा करके गरीबों, शोषित-पीड़ितों की मंशानुरूप राज्य की स्थापना कर सके।

ट्रंप के प्लान पर भारत ने फेरा पानी... बदल डाला व्यापार का भूगोल, ये आंकड़े बता रहे पूरी कहानी

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर दबाव बनाने की रणनीति काम नहीं आई है। उनका प्लान भारी-भरकम टैरिफ के जरिये भारत के व्यापार पर हथौड़ा चलाने का था। उसे चोट तो जरूरी पहुंची। लेकिन, भारत ने इस प्लान पर पानी फेर दिया। सिर्फ यही नहीं उसने व्यापार का भूगोल ही बदल डाला। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा रिपोर्ट से इसका पता चलता है। क्रिसिल की अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का अमेरिका को निर्यात घट गया है। वहीं, अन्य देशों को होने वाला निर्यात मजबूत बना हुआ है। यह पिछले बढ़ोतरी के आंकड़ों को पार कर गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि सितंबर में अमेरिका को होने वाले माल निर्यात में 11.9% की गिरावट आई। यह घटकर 5.5 अरब डॉलर रह गया। अगस्त 2025 में 7% की बढ़ोतरी के बाद यह गिरावट आई। एजेंसी ने यह भी कहा कि अगर टैरिफ बढ़ने से पहले माल की अग्रिम शिपमेंट नहीं होती तो यह गिरावट और भी ज्यादा होती।

ऐसे बदला व्यापार का भूगोल

अमेरिका को निर्यात में यह कमी अमेरिकी प्रशासन की ओर से 27 अगस्त से भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगाने के फैसले के बाद आई है। क्रिसिल ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी और वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी के कारण भारत के माल निर्यात को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके उलट अमेरिका के अलावा दूसरे देशों को भारत से होने वाला निर्यात काफी अच्छा रहा। सितंबर में इन देशों को निर्यात 10.9% बढ़ा। यह अगस्त 2025 में दर्ज की गई 6.6% की वृद्धि से काफी ज्यादा है। यह दिखाता है कि भारत ने अमेरिका को निर्यात में हुए नुकसान की भरपाई दूसरे देशों से करने की कोशिश की है।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का अनुमान है कि 2025 में वैश्विक माल व्यापार का वॉल्यूम 2.4% बढ़ेगा। जबकि 2024 में यह 2.8% था। इन मुश्किलों के बावजूद क्रिसिल को उम्मीद है कि भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) कंट्रोल में रहेगा। इसकी वजह सेवाओं का मजबूत निर्यात, लगातार आने वाला विदेशी पैसा (रेमिटेंस) और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है।

एजेंसी का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में करंट अकाउंट डेफिसिट यानी सीएडी जीडीपी का लगभग 1% रहेगा। यह पिछले साल के 0.6% से थोड़ा ज्यादा है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर कर रहे बात

भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इस पर जल्द ही मुहर लगने के आसार हैं। भारी-भरकम टैरिफ के कारण बीच में दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता थम गई थी। संबंधों में तनाव भी पैदा हो गया था। रूसी तेल खरीद के कारण अमेरिका ने भारत पर टैरिफ बढ़ाकर 50% कर दिया था। भारत ने इसे सरासर अनुचित और मनमाना बताया था। लेकिन, हाल में दोनों देश व्यापार वार्ता को लेकर आगे बढ़े हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल विक्रम संवत 2082, नूतन वर्ष के पहले दिन गांधीनगर-अहमदाबाद में नागरिकों के साथ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करेंगे

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दीपावली-नूतन वर्ष के अवसर पर शुभकामना-स्नेह मिलन कार्यक्रम

गांधीनगर, 19 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल विक्रम संवत 2082 के पहले दिन बुधवार, 22 अक्टूबर को नागरिकों के साथ नूतन वर्ष की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री बुधवार सुबह 7.00 बजे गांधीनगर स्थित पंचदेव मंदिर में दर्शन कर नूतन वर्ष की शुरूआत करेंगे। वे 7.30 बजे अडालज स्थित त्रिमंदिर में दर्शन-पूजन के लिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री इसके बाद सुबह 8.00 बजे मंत्रिमंडल निवास संकुल स्थित कम्युनिटी सेंटर में नूतन वर्ष के अवसर पर नागरिकों के साथ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करेंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री सुबह 8.50 बजे राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देने के लिए राजभवन जाएंगे।

श्री भूपेंद्र पटेल सुबह 10.30 बजे अहमदाबाद के शाहीबाग स्थित एनेक्सी गेस्ट हाउस में नागरिकों से नववर्ष की शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के लिए मुलाकात करेंगे।

इससे पूर्व, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सुबह 10.00 बजे अहमदाबाद स्थित भद्रकाली मंदिर जाएंगे, जहां वे भद्रकाली माता के दर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल नूतन वर्ष के दिन पूर्वाह्न 11.45 बजे शाहीबाग डफनाला स्थित पुलिस ऑफिसर्स मेस में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और उनके परिवारजनों को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देने के लिए आयोजित समारोह में भी उपस्थित रहेंगे।

काबुल-पाकिस्तान के बीच हुई ये कैसी सीक्रेट मीटिंग? दोहा में रातोंरात हुआ युद्धविराम

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक सप्ताह से चल रहे भीषण सीमा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक बड़ी सफलता मिली है। कतर के विदेश मंत्रालय ने रविवार सुबह घोषणा की कि

दोहा में आयोजित शांति वार्ता में दोनों पड़ोसी तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। तुर्किये की मध्यस्थता में हुई इस बातचीत का उद्देश्य दोनों देशों के बीच जारी सबसे बड़े टकराव को खत्म करना था, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए थे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ और अफगान रक्षा मंत्री मुल्ला मुहम्मद याकूब ने इस चर्चा का नेतृत्व किया।

दीपावली का स्वदेशी उजाला, भाजपा प्रवक्ता दुर्गेश केसवानी का दिल छू लेने वाला संदेश - 'खुशियां बांटें

(जीएनएस)।

भोपाल। रोशनी के त्योहार दीपावली पर जहां पूरा देश पटाखों की चकाचौंध और मिठाइयों की मिठास में डूबने को तैयार है, वहीं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ दुर्गेश केसवानी ने एक ऐसा संदेश दिया है जो न सिर्फ हृदयस्पर्शी है, बल्कि देश की आत्मा को जगाने वाला भी। 'खुशियां बांटें, स्वदेशी अपनाएं' - यह नारा सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि एक संकल्प है जो गरीब से लेकर अमीर तक, छोटे दुकानदार से लेकर कॉर्पोरेट घरानों तक सबको जोड़ने का दावा कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को दोहराते हुए डॉ. केसवानी का यह आह्वान सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, और दीपावली 2024 की पूर्व संध्या पर यह संदेश लाखों परिवारों के घरों में रोशनी का नया दीपक जला रहा है। आइए, इस सार्थक संदेश की पूरी कहानी, इसके पीछे छिपे संदेश और समाज पर इसके प्रभाव को गहराई से समझें। 20 अक्टूबर 2024 को भोपाल में एक सादगी भरे कार्यक्रम के दौरान डॉ. दुर्गेश केसवानी ने कहा, "इस दीपावली को केवल उत्सव न बनाएं, बल्कि सार्थक बनाएं। आइए, मिलकर ऐसी दीपावली मनाएं जिसमें हर गरीब, हर छोटा दुकानदार और हर मेहनतकश परिवार की खुशियों में हम सहभागी बनें।" उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के दीपावली संदेश को दोहराते हुए जोर दिया कि यह त्योहार 'स्वदेशी, आत्मनिर्भर और विकसित भारत' की दीपावली होनी चाहिए।

डॉ. केसवानी के शब्दों में

"देश के हर नागरिक को चाहिए कि विदेशी वस्तुओं की जगह स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें, ताकि देश की अर्थव्यवस्था में नया उजाला फैले। पटाखों की जगह दीयों से घर रोशन करें, पर्यावरण की रक्षा करें और जरूरतमंदों के बीच मिठास बांटें। जब हर घर में स्वदेशी दीया जलेगा, तब ही सच्चे अर्थों में भारत विकास के मार्ग पर और प्रगाढ़ प्रकाश में नहाएगा।"

यह संदेश सिर्फ अपील नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक गाइड है। उन्होंने सुझाव दिया कि दीपावली की खरीदारी में लोकल हैंडीक्राफ्ट्स, मिट्टी के दीये और स्वदेशी मिठाइयों को प्राथमिकता दें। "संकल्प लें - खुशियां बांटें, स्वदेशी अपनाएं और आत्मनिर्भर भारत को जगमगाएं," उन्होंने समापन में कहा। यह वीडियो क्लिप अब यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर 5 लाख से ज्यादा व्यूज बटोर चुकी है।

दीपावली का संदर्भः परंपरा से आधुनिकता की ओर

दीपावली, जो राम के अयोध्या लौटने की खुशी का प्रतीक है, आज के दौर में पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और सामाजिक समावेश के मुद्दों से जुड़ गई है। डॉ. केसवानी का संदेश प्रधानमंत्री मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान से सीधा जुड़ता है, जिसने कोविड के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति दी। आंकड़ों की बात करें तो, 2023 की दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों की बिक्री में 25% की वृद्धि हुई थी (कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के अनुसार), और इस बार का लक्ष्य 30% से ऊपर है।

मध्य प्रदेश जैसे राज्य, जहां हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों की भरमार है, इस संदेश से सीधा लाभान्वित होंगे। भोपाल की गलियों में मिट्टी के कारीगरों से लेकर इंदौर के टेक्सटाइल बाजार तक, यह अपील रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकती है। पर्यावरण के लिहाज से भी यह सही समय पर आया है - सुप्रीम कोर्ट के पटाखा प्रतिबंध के बीच दीयों का जोर प्रदूषण कम करने का व्यावहारिक तरीका है।

मैं खुद चाहता था कि', बिहार मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर चिराग पासवान ने दिया बड़ा बयान

(जीएनएस)।

बिहार चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई है। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे के बाद सभी दलों ने अपने उममीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। अब जब चुनाव नजदीक है तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बयान दिया कि मुख्यमंत्री का चयन विधायक दल की "सामान्य प्रक्रिया" के तहत होगा।

अमित शाह के इस बयान के बाद एनडीए में मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार नहीं तो कौन होगा इसको लेकर फिर से बहस छिड़ गई है। एनडीए में मुख्यमंत्री का चेहरे पर छिड़ी बहस के बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर बड़ा बयान आया है। उन्होंने मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर बेबाकी से अपनी बात रखी है।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हर पार्टी चाहती है कि उसका नेता मुख्यमंत्री बने। उन्होंने बताया, "मैं खुद चाहता था कि मेरे पिता मुख्यमंत्री बनें या प्रधानमंत्री भी बन सकें।"

पासवान ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे मुद्दों पर चर्चा सही समय पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "मौजूदा स्थिति में, एनडीए गठबंधन ने स्पष्ट किया है कि हम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं, और चुनाव के बाद चुने गए विधायक एक बार फिर नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री चुनेंगे।"

चिराग पासवान ने बताया क्यों नहीं लड़ रहे चुनाव?

चिराग पासवान ने कहा हमेशा यह कहा है कि उनका मुख्य ध्यान बिहार पर है। पासवान ने बताया, "मैं बिहार चुनाव लड़ना चाहता था, लेकिन लंबी बातचीत के कारण मेरी प्राथमिकता बदलकर अपनी पार्टी के उम्मीदवारों पर ध्यान केंद्रित करना हो गई।"चिराग पासवान ने आगे कहा कि अगले चार से पांच वर्षों में वे बिहार पर और भी अधिक ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करेंगे।

सीटों के बंटवारे पर क्या बोले चिराग पासवान?

आगामी बिहार चुनावों में लोजपा (रामविलास) के 29 सीटों पर चुनाव लड़ने के संबंध में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि हमने हमेशा गठबंधन की गरिमा बनाए रखने के लिए काम किया है। उनका मानना है कि गठबंधन से जुड़ी चचाएँ केवल गठबंधन के भीतर ही होनी चाहिए।

पासवान ने आगे बताया कि गठबंधन में शामिल हर पार्टी अपना हिस्सा चाहती है। प्रत्येक दल के पास मजबूत नेता और कार्यकर्ता होते हैं, और हर कोई अधिक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इतने बड़े स्तर के गठबंधन को अंतिम रूप देने के लिए कई दौर की बैठकें आवश्यक होती हैं।

गिरिराज ने मुसलमानों को बताया 'नमक हराम',कहा- इनका वोट नहीं चाहिए, ये आयुष्मान योजना का भी एहसान नहीं मानते

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बिसात पर बिछीं गोटियां अभी ठीक से अपनी जगह ले भी नहीं पाई थीं कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक 'ट्विन-टॉवर' जैसा विवाद खड़ा कर दिया है। अरवल की चुनावी रैली में विपक्षी महागठबंधन पर सीधा वार करते हुए सिंह ने जिस तरह "नमक हराम" जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, उसने न केवल सियासी पारा चढ़ाया, बल्कि भाषाई मयार्दा की लक्ष्मण रेखा भी लांघ दी।

एक मुस्लिम मतदाता से बातचीत का हवाला देकर, सरकारी योजनाओं के बावजूद वोट न मिलने का उनका आरोप, अब पप्पू यादव और संजय राउत जैसे दिग्गजों के तीखे पलटवार का केंद्र बन चुका है, जो उन्हें तुरंत माफी मांगने को कह रहे हैं। यह बयान बताता है कि बिहार की चुनावी लड़ाई इस बार 'विकास' से कहीं ज्यादा 'बयानों' पर लड़ी जाएगी।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अरवल में एक चुनावी रैली के दौरान बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। बीजेपी प्रत्याशी के नामांकन सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधा, लेकिन अपने बयान में उन्होंने मुसलमानों को 'नमक हराम' कहकर संबोधित किया। सिंह ने दावा किया कि उनकी पार्टी ऐसे लोगों के वोट नहीं चाहती, जो सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के बावजूद बीजेपी को वोट नहीं देते। उन्होंने एक मुस्लिम मतदाता से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि, 'मैंने पूछा, क्या आपको आयुष्मान कार्ड मिला? उन्होंने कहा, हां। क्या इसमें हिंदू या मुस्लिम का मुद्दा था? उन्होंने कहा, नहीं। मैंने पूछा, क्या आपने मुझे वोट दिया? उन्होंने कहा, नहीं। मैंने पूछा, मेरी गलती क्या थी?... मैंने कहा... मुझे नमक हरामों के वोट नहीं चाहिए।'

विपक्षी नेताओं की कड़ी प्रतिक्रिया

गिरिराज सिंह के इस बयान पर विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने सिंह के बयान को भाषाई मयार्दा का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा, 'हर कोई जानता है कि राष्ट्र के साथ किसने विश्वासघात किया और अंग्रेजों के साथ कौन खड़ा था। गिरिराज को पहले उस इतिहास को याद करना चाहिए।" शिवसेना नेता संजय राउत ने भी गिरिराज सिंह की आलोचना करते हुए पूछा, "अगर कोई आपको वोट नहीं देता, तो क्या वे सभी नमक हराम हैं?' राउत ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत है कि मुसलमान बीजेपी को वोट नहीं देते। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, 'हिंदुओं ने भी उन्हें (बीजेपी को) वोट नहीं दिया है... महाराष्ट्र में, बंगाल में, केरल में, जम्मू-कश्मीर में, कर्नाटक में, हिंदुओं ने उन्हें वोट नहीं दिया है। क्या आप उन सभी को नमक हराम कहेंगे, श्री गिरिराज सिंह? आप 'वोट चोरी' करके सत्ता में हैं।

सम्पादकीय

धूर्तता के रास्ते पर पाक जनरल

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। हाल ही में पाकिस्तान ने तहरीके तालिबान-पाकिस्तान के प्रामुख को निशाना बनाने के बहाने काबुल सहित कई शहरों पर हवाई हमले करके तालिबान को भड़का दिया किन्तु प्रातिव्रिया स्वरूप जब तालिबान ने सीमा पर पाक सैनिकों पर हमला किया तो पाकिस्तानियों के पैर उखड़ गए और वे जान बचाकर भागे।

तब पाक जनरलों को एक धूर्तता करने की सूझी। उन्होंने तालिबान से युद्ध विराम का आग्राह किया। दोनों में सहमति बन गईं। लेकिन इसी बीच पाकिस्तान की वायुसेना ने फिर अफगानिस्तान पर हमला करके उसके 10 खिलाड़ियों को मार डाला। पाकिस्तान के इस विश्वासघात से नाराज तालिबान ने पाकिस्तान से कहा है कि अब वह निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है और पाक सेना को पाकिस्तान के बार्डर तक पीछे धकेल देगी।

दरअसल यह ऐतिहासिक तथा दुनिया से छिपा नहीं है कि पाक सेना आज तक अपने किसी भी पड़ोसी देश की सेना से जीती नहीं जबकि अफगानिस्तान दुनिया में किसी से हारा नहीं। पाकिस्तान मूर्खता के बाद मूर्खता का परिचय दे रहा है, और इसी व्रम में पाक वायुसेना ने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया। सच पूछे तो इस हमले का उद्देश्य ही अफगानिस्तान के लोगों को इस बात का एहसास कराना था कि देखो तुम्हारा विदेश मंत्री भारत में है और वे (पाक) अफगानिस्तान को वुछ भी नहीं समझते। मतलब यह कि यदि अफगानिस्तान भारत से मैत्री संबंध बनाना चाहता है तो बनाए, पाकिस्तान उसे तबाह कर सकता है। पाकिस्तान को इस बात का अनुमान नहीं था कि उनकी इस एक दुःसाहस से दोनों देशों के बीच संबंध खुलेआम शत्रुता में बदल जाएगी।

वास्तविकता तो यह है कि पाक सेना प्रामुख आसिम मुनीर को लगता है कि यदि इस क्षेत्र में तनाव पैदा हो जाए तो अमेरिका को बड़ी आसानी से हस्तक्षेप करने का अवसर मिल जाएगा। मुनीर ने यह चाल तब चली जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तालिबान से बगराम एयरपोर्ट मांगा और उन्होंने उसे टका सा जवाब देते हुए बगराम एयरपोर्ट देने से साफ इंकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि बगराम एयरपोर्ट अमेरिका ने बनाया था जबकि वास्तविकता यह है कि इस एयरपोर्ट को रूस ने बनाया था। किन्तु 2021 में अमेरिकी जब अफगानिस्तान छोड़ने से पहले बगराम एयरपोर्ट की सारी तकनीक सिस्टम को नष्ट कर दिया था। इस बीच अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी जब भारत आए तो उन्होंने बगराम एयरपोर्ट को फिर से तकनीकी सिस्टम लगाने और विकसित करने का प्रास्ताव रखा। भारत ने इस प्रास्ताव पर विचार करने का विदेश मंत्री मुत्ताकी को आश्वासन भी दे दिया। पाकिस्तान चाहता है कि भारत किसी हालत में न आए जबकि भारत अफगानिस्तान में मौजूद खनिज संपदा को निकालने में उत्सुक है। पाकिस्तान को दो डर है, पहला तो यह कि भारत अफगानिस्तान में अपनी लंबित परियोजनाओं, बगराम एयरपोर्ट को विकसित करने तथा खनिज संपदा की खुदाई की योजना को लागू कर दिया तो यह उस (पाकिस्तान) की वूटनीतिक पराजय होगी। इसलिए पाकिस्तान के सनकी सेना ने ठान लिया कि अब अमेरिका को अफगानिस्तान में एक बार फिर स्थापित करके भारत-अफगानिस्तान सहयोग की उम्मीदों पर पानी पेरना ही उसके हित में है। किन्तु पाकिस्तान को इस बात की जरा भी आशंका नहीं थी कि चीन इस टकराव में अफगानिस्तान के पक्ष में बयान देगा। चीन ने दो टूक कहा कि वह अफगानिस्तान सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ प्रातिव्रिया स्वरूप हमले का समर्थन करता है क्योंकि वह अफगानिस्तान के राष्ट्रीय एकता का एवं प्राभुसत्ता का समर्थन करता है। चीन द्वारा अफगानिस्तान के समर्थन के दो कारण हैं, पहला तो यह कि उसकी परियोजनाएं अफगानिस्तान में चल रही हैं और उनके इंजीनियरों एवं तकनीकी कर्मचारियों को तालिबान का पूरा समर्थन है। इसलिए वह नहीं चाहता कि पाकिस्तान तालिबान सत्ता को अस्थिर करे। दूसरा कारण यह है कि अमेरिका बगराम चाहता ही है चीन पर नजर रखने के लिए। चीन कदापि नहीं चाहता बगराम एयरपोर्ट किसी भी हालत में अमेरिका को वापस मिले जबकि उसे इस बात पर कोई एतराज नहीं है कि बगराम एयरपोर्ट को भारत विकसित करे।

आरएसएस को नहीं मिली मार्च की अनुमति, भड़की भाजपा ने कहा- कांग्रेसियों को सनातनियों से घृणा करना सोनिया सिखाती हैं

(जीएनएस)।

कर्नाटक के चित्तापुर में आज 19 अक्टूबर को आरएसएस के रूट मार्च होने वाला था जिसको अनुमति नहीं दी गई है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 अक्टूबर को कर्नाटक हाईकोर्ट में होगी। हालांकि कर्नाटक हाईकोर्ट की गुलबर्गा पीठ ने RSS को 2 नवंबर को चित्तपुर में अपना रूट मार्च निकालने की अनुमति देने के लिए फ्रेश अप्लीकेशन कोर्ट में पेश करने को कहा है।

इसी बीच, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। इस फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने सोनिया गांधी को घेरते हुए उन पर बड़ा आरोप लगाया है।

संबित पात्रा ने कहा कि जिस तरह से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सनातनियों से दूर रहने और उनसे गुमराह न होने की बात कही है, वह आरएसएस पर भी हमला कर रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि यह कोई नया मुद्दा नहीं है। पात्रा के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहले भी कहा था कि सत्ता में आने पर वे सनातन को "नष्ट" कर देंगे। उन्होंने खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे द्वारा सनातन के खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा का भी जिक्र किया।

संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी की पार्टी उन लोगों के प्रति नफरत रखती है जो राष्ट्र के मूल मूल्यों और सनातन परंपराओं की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी खुद उन्हें सनातन धर्म और उससे जुड़े लोगों से नफरत करने के लिए कहती हैं, क्योंकि वह सनातन धर्म को नहीं समझतीं।

पात्रा ने राहुल गांधी के पुराने बयान का भी हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि "हम मुसलमानों की पार्टी हैं।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस "हिंदू आतंकवाद" और "भगवा आतंकवाद" जैसे शब्दों को बढ़ावा देने में माहिर है।

प्रियांक खड़गे ने फ्रर के कार्यक्रम

पर रोक लगाने की थी मांग

गौरतलब है कि कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश से फ्रर को विनियमित शर्तों के तहत अपने नियोजित मार्च के साथ आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। चित्तपुर, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे का निर्वाचन क्षेत्र है, जो उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद एक बार फिर राजनीतिक केंद्र बन गया है।

यह मार्च मूल रूप से 19 अक्टूबर के लिए निर्धारित था, लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने कानून और व्यवस्था की चिंताओं का हवाला देते हुए इसकी अनुमति से इनकार कर दिया था। इसके बाद, याचिकाकर्ता अशोक पाटिल ने 2 नवंबर की वैकल्पिक तिथि का अनुरोध किया था जिसके लिए कोर्ट ने अनुमति दे दी है।

अदालत का यह फैसला फ्रर कलाबुर्गी के संयोजक अशोक पाटिल द्वारा दायर याचिका के बाद आया, जिन्होंने मार्च की अनुमति के लिए अधिकारियों की निष्क्रियता को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति एम.जी.एस. कमल ने राज्य सरकार से पूछा कि वह ऐसे आयोजनों को कैसे समायोजित और प्रबंधित करने का इरादा रखती है। उन्होंने सभी की भावनाओं का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को जिला (जिला) अधिकारियों को आवेदन फिर से जमा करने का निर्देश दिया, और अधिकारियों को अनुरोध पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया। अदालत ने 24 अक्टूबर को अगली सुनवाई भी निर्धारित की है, जिसमें सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि वह "सभी की भावनाओं का सम्मान सुनिश्चित करते हुए" इस मामले को कैसे संभालेगी।

आरएसएस के कर्नाटक के प्रवक्ता राजेश ने बताया 13 अक्टूबर को अनुमति का अनुरोध प्रस्तुत करने के बावजूद, स्थानीय अधिकारी अंतिम क्षण तक प्रश्न उठाते रहे। उन्होंने कहा, "हमने चित्तपुर में पहले ही ऐसे बारह कार्यक्रम आयोजित किए हैं और 154 मंडलों में कार्यक्रम पूरे किए हैं। हमें विश्वास है कि अधिकारी 2 नवंबर के लिए अनुमति दे देंगे।"

राज्य सरकार ने हाल ही में एक आदेश जारी कर सार्वजनिक और सरकारी संपत्तियों का उपयोग फ्रर जैसे निजी समूहों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के लिए प्रतिबंधित कर दिया था।

अदालत की आगामी 24 अक्टूबर की सुनवाई तय करेगी कि क्या संगठन चित्तपुर में अपने प्रस्तावित कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ सकता है।

कौन हैं मास्टर मुजाहिद आलम, जिनको आरजेडी ने कोचाधामन से बनाया उम्मीदवार, वक्फ कानून के बाद जेडीयू से दिया था इस्तीफा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले किशनगंज की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने कोचाधामन विधानसभा सीट से मास्टर मुजाहिद आलम को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। चार दशक से अधिक वक्त से राजनीति में सक्रिय मुजाहिद आलम ने हाल ही में जनता दल (यूनाइटेड) से इस्तीफा देकर राजद का दामन थामा था।

54 वर्षीय मुजाहिद आलम किशनगंज जिले के कायरी बिरपुर गांव के रहने वाले हैं और सुरजापुरी मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने 1990 में पटना कॉलेज से स्नातक (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की। उनके पिता जमीलुर रहमान एक सम्मानित शिक्षक रहे हैं। यही वजह है कि लोग उन्हें प्यार से 'मास्टर साहब' कहकर पुकारते हैं।

2010 में की राजनीति की शुरूआत, 2014 में बनी किस्मत

मुजाहिद आलम ने 2010 में राजनीति में कदम रखा और 2014 में कोचाधामन विधानसभा उपचुनाव में जदयू उम्मीदवार के रूप में पहली बार जीत हासिल की। यह जीत उनके राजनीतिक करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इसके बाद 2015 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने AIMIM नेता अख्तरुल ईमान को हराकर फिर से जीत दर्ज की और अपनी पकड़ मजबूत की।

2020 में हार, फिर वक्फ कानून पर दिया इस्तीफा

हालांकि, 2020 के विधानसभा चुनाव में मुजाहिद आलम को AIMIM के इजहार असफी के हाथों 40 हजार से ज्यादा वोटों से हार का सामना करना पड़ा। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा वक्फ संशोधन कानून लाए जाने के बाद उन्होंने जदयू से इस्तीफा दे दिया। उनका कहना था कि यह कानून मुसलमानों की धार्मिक संपत्तियों के खिलाफ है और पार्टी का रुख इससे अलग है, इसलिए वे जनता की आवाज उठाने के लिए अलग राह चुनना चाहते हैं।

अब RJD से लड़ेंगे कोचाधामन से चुनाव

राजद ने अब मुजाहिद आलम को कोचाधामन सीट से अपना प्रत्याशी

बनाया है। पार्टी को उम्मीद है कि उनका स्थानीय जनाधार और अनुभव राजद को इस मुस्लिम-बहुल सीट पर जीत दिलाने में मदद करेगा। बताया जा रहा है कि कोचाधामन क्षेत्र में मुस्लिम और सुरजापुरी वोटरों की संख्या काफी अधिक है, जिसे फ्खऊ अपने पक्ष में करने की रणनीति बना रही है।

"जनता की सेवा के लिए आया हूं राजनीति में"

राजद में शामिल होने के बाद मुजाहिद आलम ने कहा, "मैं राजनीति में जनता की सेवा के लिए आया हूं। वक्फ कानून के खिलाफ आवाज उठाना मेरा फर्ज था। अब मैं राजद परिवार के साथ मिलकर कोचाधामन के विकास के लिए काम करूंगा।" उन्होंने कहा कि राजद ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसे वे पूरी ईमानदारी से निभाएंगे।

जदयू बोली-यह उनका निजी फैसला

वहीं, मुजाहिद आलम के इस्तीफे पर जदयू नेताओं ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। पार्टी में किसी तरह की नाराजगी नहीं थी, लेकिन उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य के लिए नया रास्ता चुना है।

अनुभव और जनाधार दोनों हैं उनके पास

मुजाहिद आलम के पास राजनीति का लंबा अनुभव है। वे दो बार विधायक रह चुके हैं और क्षेत्र में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम कर चुके हैं। राजद को उम्मीद है कि उनके मैदान में उतरने से कोचाधामन में मुकाबला दिलचस्प हो जाएगा और अक्टक्ट को कड़ी टक्कर मिलेगी।

स्मृति मंधाना-हरमनप्रीत की धांसू पारियां गई बेकार, 4 रन से रोमांचक जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में इंग्लैंड

(जीएनएस)।

महिला वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ अहम मुकाबले में भारतीय टीम को नाटकीय अंदाज में हार का सामना करना पड़ा। 288 रनों का पीछा करते हुए भारतीय टीम लगभग मुकाबला अपने कब्जे में करने के बाद 4 रनों के अंतर से पराजित हो गई। स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर की धाकड़ बैटिंग बेकार गई।

टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले बैटिंग करने का फैसला लिया और धांसू शुरूआत की। ब्यूमोंट और एमी जोन्स ने पहले विकेट के लिए 73 रन जोड़े। ब्यूमोंट 22 रन के निजी स्कोर पर आउट होकर पवेलियन लौट गईं। जोन्स के बल्ले से फिफ्टी आई, वह 56 रन बनाने में सफल रहीं।

इसके बाद कुछ विकेट गिरे लेकिन 34 साल की हीथर नाइट ने भारत के नाक में दम कर दिया और एक धांसू सैकड़ा जमकर टीम का स्कोर 200 के पार ले जाने में अपना अहम योगदान दिया। नाइट ने 91 गेंदों का सामना करते हुए 109 रन बनाए और इंग्लैंड का स्कोर 8 विकेट पर 288 रनों तक पहुंचा। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने 4 विकेट झटके।

जवाब में भारत ने प्रतिका के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया। वह महज 6 रन के निजी स्कोर पर औअत हुईं। उनके बाद हरलीन देओल भी 24 के निजी स्कोर पर आउट होकर चलती बनीं। मुश्किल स्थिति में टीम को संभालने का काम स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने किया। दोनों ने मिलकर शतकीय भागीदारी कर जीत की उम्मीद जगा दी थी।

सब कुछ ठीक चल रहा था, अभी हरमनप्रीत 70 के स्कोर पर आउट हूई। उनके बाद दीप्ति और मंधाना ने अच्छी बैटिंग की। 53 गेंदों में 55 की जरूरत भारत को थी, इस बीच मंधाना 88 रन बनाकर चलती बनीं और वहां से इंग्लैंड पक्ष में मैच चला गया। दीप्ति क्रीज पर थीं लेकिन वह 57 गेंदों में 50 रन बनाकर चलती बनीं और टीम इंडिया का स्कोर 6 विकेट पर 284 रनों तक पहुंचा। इंग्लैंड ने 4 रन से मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में है। चौथे स्पॉट के लिए भारत और न्यूजीलैंड में टक्कर है।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले भाजपा कर रही बड़ा खेला, अजित पवार को लगेगा झटका!

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तारीखों के ऐलान से पहले सभी रानजी तिक पार्टियां अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करने के लिए दांव-पेंच लगाने में जुट चुकी हैं। खास बात ये है कि विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन के अलावा सत तारूढ़ महायुति गठबंधन में इस निकाय चुनाव को लेकर दो फाड़ होती नजर आ रही है। महायुति में शामिल भाजपा, एनसीपी और शिवसेना अपनी अलग-अलग खिचड़ी पका रहे हैं।

वहीं भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने एक बड़ा सियासी दांव चल दिया है। सोलापुर जिले से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित गुट) के तीन पूर्व विधायक और कांग्रेस के एक पूर्व विधायक जल्द ही बीजेपी में शामिल होने वाले हैं। ये अजित पवार और उनकी एनसीपी के लिए तगड़ा

झटका होगा।

सीएम फडणवीस से की मुलाकात

इन चारों पूर्व विधायकों ने हाल ही में 'वर्षा' बंगले पर सोलापुर के पालक मंत्री जयकुमार गोरे के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। इस बैठक में उनके बीजेपी में शामिल होने पर मुहर लग गई है, जिससे राज्य की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं।

कौन हैं ये पूर्व विधायक?

बीजेपी में शामिल होने वाले विधायकों में मोहोल के पूर्व विधायक राजन पाटील का नाम सबसे प्रमुख है, जो इस सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं। मोहोल सीट आरक्षित होने के बाद भी उन्होंने लगातार तीन बार एनसीपी के विधायक को जिताया है, जिससे क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ जाहिर होती है।

क्यों अजित पवार का साथ छोड़ रहे ये पूर्व विधायक?

राजन पाटील अजीत पवार से नाराज चल रहे थे, क्योंकि पवार मोहोल विधानसभा सीट पर उनके मजबूत प्रभाव के बावजूद उमेश पाटील जैसे नए कार्यकताओं को बढ़ावा दे रहे थे। यह नाराजगी उनके पार्टी छोड़ने का एक प्रमुख कारण बनी।

माढ़ा विधानसभा सीट से छह बार विधायक रहे बबन दादा शिंदे ने एनसीपी में विभाजन के बाद अजीत पवार का समर्थन किया था।

'जो मैंने किया भी, नहीं दुनिया मुझे', सलमान खान का छलका दर्द, याद आई दोस्त सुष्मिता सेन की बात

(जीएनएस)।

बिग बॉस 19' के हालिया 'वीकेंड का वार' एपिसोड में सलमान खान ने प्रतियोगी अमाल मलिक को उनके बर्ताव के लिए कड़ी चेतावनी दी। फरहाना भट्ट के साथ हुई तीखी बहस और उनकी मां को "बी-ग्रेड" कहने जैसे आपत्तिजनक व्यवहार पर सलमान ने अमाल को फटकार लगाई। इसके साथ ही, सलमान ने उनके पिता डब्बू मलिक को मंच पर बुलाकर बेटे को समझाने को कहा।

सलमान ने अमाल को संयम रखने की सीख देते हुए अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि उन्हें भी कई बार उन बातों के लिए दोषी ठहराया गया है जो उन्होंने की ही नहीं। सलमान के इस बयान से लोग कयास लगा रहे हैं कि वो काले हिरण के शिकार मामले का जिक्र कर रहे हैं। इसके बाद सलमान ने अमाल से पूछा, "क्या तुम्हारे पास इतनी मानसिक शक्ति है कि लोग जो कहें, से तुम्हें जज करते हैं।"

डब्बू मलिक हुए भावुक, मंच पर

उसका सामना कर सको?" सलमान ने सुष्मिता सेन के एक कथन का जिक्र करते हुए कहा, "लोग तुम्हारी प्रतिक्रिया को याद रखते हैं और उसी

दी सलाह

अमाल और डब्बू मलिक दोनों मंच पर भावुक हो गए। डब्बू ने कहा, "लड़ो, मेरी इज्जत तुम्हारे हाथों में है।" इस पर सलमान ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, "अगर उनकी इज्जत तुम्हारे हाथों में है, तो वह गई।" उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता सलीम खान ने भी कुछ ऐसा ही मजाकिया लेकिन गंभीर संदेश उन्हें दिया था।

सलमान की सलाहः "योद्धा की तरह जियो"

सलमान ने अमाल को जिंदगी के सबक देते हुए कहा, "दुनिया तुम्हारे खिलाफ जा सकती है, तब भी तुम्हें सिर झुकाकर आगे बढ़ना होगा और दिन-रात मेहनत करनी होगी।" इस भावनात्मक माहौल के बीच रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और आयुष्मान खुराना अपनी फिल्म 'थामा' का प्रचार करने पहुंचे। साथ ही गायक शान ने अपनी प्रस्तुति से शो में संगीत का रंग भर दिया।

नीलम नहीं तो कौन थी पवन सिंह की पहली पत्नी? क्यों तोड़ दिया रिश्ता! ज्योति सिंह के नए दावे ने मचाई खलबली

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के 'पावर स्टार' पवन सिंह की निजी जिंदगी अब सिर्फ कोर्ट का मामला नहीं रही, बल्कि यह एक सियासी अखाड़ा बन चुकी है। पत्नी ज्योति सिंह के साथ उनके तलाक का मामला चल रहा है, लेकिन इस बीच ज्योति सिंह का एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने पवन सिंह की पहली शादी को लेकर सनसनीखेज दावा किया है।

ज्योति सिंह ने न सिर्फ पवन की कथित पहली पत्नी का नाम बदला, बल्कि यह भी बताया कि उनसे पीछा छुड़ाने के लिए एक मोटी कीमत चुकाई गई थी।

आम तौर पर यही माना जाता रहा है कि पवन सिंह की पहली पत्नी नीलम देवी थीं, जिन्होंने शादी के कुछ समय बाद ही आत्महत्या कर ली थी।

लेकिन ज्योति सिंह का दावा चौंकाने वाला है।

आज तक की रिपोर्ट के मुताबिक, ज्योति सिंह कहती हैं कि, 'पहली शादी उनकी रीना रानी से हुई थी। खुद के मुंह से उन्होंने मुझे बताया था। उनसे पीछा छुड़ाने के लिए मुंबई का एक फ्लैट पवन जी ने उनको दे दिया था।'

कौन थीं रीना रानी?

ज्योति के इस दावे के मुताबिक, रीना रानी भोजपुरी सिनेमा की एक्ट्रेस थीं और उम्र में पवन सिंह से बड़ी थीं। यह भी कहा जाता है कि आनन-फानन में हुई यह गुपचुप शादी जल्द ही टूट गई थी। हालांकि, पवन सिंह या रीना रानी, दोनों में से किसी ने भी आज तक इस कथित रिश्ते और इसके निपटारे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

₹30 करोड़ की एलिमनी और कानूनी दांव-पेच

यह चौंकाने वाला खुलासा ऐसे समय में आया है जब पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच तलाक का विवाद अपने चरम पर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ज्योति सिंह ने अपने पति पवन सिंह से ₹30 करोड़ की एलिमनी (गुजारा भत्ता) की मांग की है, जिससे दोनों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

इस मामले में क्या है वकील का बयान

पवन सिंह के वकील ने इस मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि एलिमनी का कोई निश्चित आदेश अदालत ने नहीं दिया है, और इस पर फैसला पवन सिंह की वित्तीय स्थिति के आधार पर ही लिया जाएगा। वकील ने यहां तक कहा कि 'इतने अपमान के बाद, कौन उन्हें स्वीकार करेगा?'

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

श्री अश्विनी वैष्णव ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन का जायजा लिया, यात्रियों से सीधे बातचीत की

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 2025

केंद्रीय रेल, सूचना प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आज आनंद विहार रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया।

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्टेशन पर होल्डिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों से सीधे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से रेलवे परिसर की स्वच्छता और प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में प्रतिक्रिया (फीडबैक) ली।

मीडिया से बातचीत करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की भारी भीड़ के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे ने व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो फैलाने वालों पर कार्यवाही की जा रही हैं । साथ ही अपील की कि रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो न फैलाएं।

इस निरीक्षण के दौरान, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार और उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के बाद अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया है कि भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं के लिए किए गए ये व्यापक इंतजाम आगामी दीवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान लाखों यात्रियों के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेंगे।

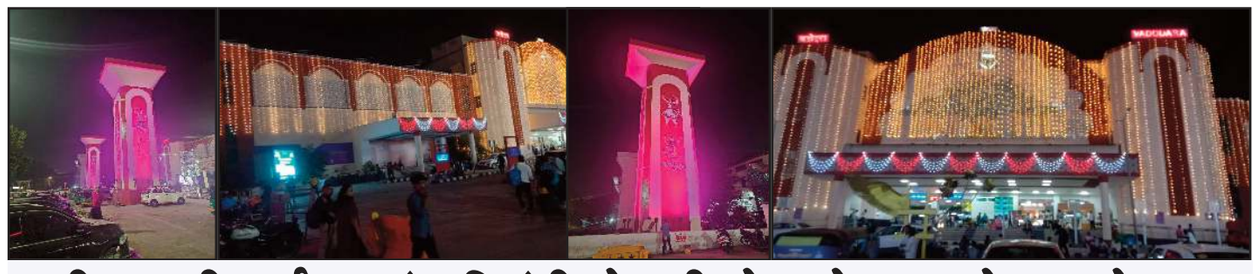

दीपावली पर्व पर रंग बिरंगी रोशनी से सरोवर वडोदरा स्टेशन

छोटी नहीं बड़ी दिवाली पर आएंगे पीएम किसान के पैसे? 21वीं किस्त पर क्या है नया अपडेट

(जीएनएस)।

देश के करोड़ों छोटे और सीमांत किसान महीनों से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। यह राशि उनके खेती के खर्चों को पूरा करने और आय बढ़ाने में काफी मदद करती है। इस बार सरकार ने बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को प्राथमिकता दी है।

हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के किसानों को राशि एडवांस में ट्रांसफर की गई थी। अब बाकी राज्यों के किसानों की बारी है, और जल्द ही उनके खाते में 2,000 रुपये की यह किस्त पहुंचने वाली है। किसान इस अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। किसान अपनी बैंक और PM Kisan अकाउंट जानकारी अपडेट कर रहे हैं, ताकि पैसा समय पर मिल सके।

किन राज्यों में पहले मिली राशि?

सरकार ने इस बार कुछ राज्यों के किसानों को प्राथमिकता दी है। 26 सितंबर 2025 को हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के किसानों को

21वीं किस्त भेजी गई थी। यह उन किसानों के लिए थी, जो हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हुए थे। इसके कुछ दिनों बाद जम्मू-कश्मीर के किसानों को भी 2-2 हजार रुपये की राशि मिल गई। बाकी राज्यों के किसानों के खाते में जल्द ही पैसा आने की संभावना है।

किसानों को क्या करना चाहिए

किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने PM KisÔ»»f अकाउंट और बैंक खाते की जानकारी अपडेट रखें। इससे यह सुनिश्चित होगा कि राशि सही समय पर सीधे उनके बैंक खाते में ट्रांसफर हो।

21वीं किस्त का स्टेटस कैसे चेक करें

किसान आसानी से यह जान सकते हैं कि उनका नाम लाभार्थी सूची में शामिल है या नहीं। इसके लिए स्टेप्स निम्न हैं:

सबसे पहले pmkisÔ»»f.gov.i»»f वेबसाइट पर जाएं।

होमपेज पर 'किसान कॉर्नर' सेक्शन खोलें।

'लाभार्थी सूची'

अपना राज्य, जिला, ब्लॉक और गांव चुनें।

अंत में 'रिपोर्ट प्राप्त करें' पर क्लिक करें।

अगर आपकी जानकारी सही है और नाम सूची में है, तो आपकी राशि जल्द ही बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

योजना का मकसद

पीएम किसान सम्मान निधि योजना का मुख्य उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों की मदद करना है। यह योजना किसानों की आय बढ़ाने और खेती के खर्चों को कम करने में मदद करती है। योजना का लाभ लेने के लिए किसान की आयु कम से कम 18 साल होनी चाहिए और उनके पास जमीन के मालिकाना हक का प्रमाण होना जरूरी है।

नासिक में हुआ बड़ा हादसा, दिवाली-छठ पर घर जा रहे 3 युवक ट्रेन से गिरे, 2 की मौत

(जीएनएस)।

दिवाली और छठ के दौरान, मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य शहरों से बड़ी संख्या में लोग ट्रेन से घर लौट रहे हैं। जिसके चलते ट्रेनें यात्रियों से खचाखच भरी हुई हैं। इसी दौरान नासिक रेलवे स्टेशन पर एक दुखद रेल दुर्घटना हुई, जिसमें ट्रेन पर चढ़ते समय तीन यात्री ट्रेन से गिर गए। जिसमें दो यात्रियों की ट्रेन से कट कर मौत हो गई और एक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया है।

रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ये हादसा कर्मभूमि एक्सप्रेस में हुआ। ये ट्रेन सामान्य तौर पर नासिक स्टेशन पर नहीं रुकती है। हालांकि, घटना वाले दिन ट्रेन की गति धीमी थी इसी का लाभ उठाते हुए तीन यात्री जल्दबाजी में चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया। चलती ट्रेन पर चढ़ते समय तीनों यात्रियों का बैलेंस बिगड़ा और ट्रेन से गिर गए और ट्रेन की चपेट में आ गए।

घटना के तुरंत बाद, मौके पर मौजूद लोगों ने रेलवे अधिकारियों और पुलिस को सूचित किया। स्थानीय प्रशासन और रेलवे की टीम ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। ओढ़ा स्टेशन के प्रबंधक आकाश ने रेलवे विभाग को इसकी सूचना दी। उन्होंने बताया कि ट्रेन छूटने के कुछ देर बाद जेल रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास ढिकलेनगर इलाके में तीन युवक ट्रेन से गिर गए। इस घटना में दो की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलते ही नासिक पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जितेंद्र सपकाले के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक माली और उनकी टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान, भुसावल की ओर जाने वाली पटरी पर 190/1 से 190/3 के बीच 30 से 35 वर्ष की आयु के दो युवक मृत पाए गए।

एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल मिला, जिसे तुरंत एम्बुलेंस से जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उसका इलाज चल रहा है। मृतकों और घायल युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

ऐसा माना जा रहा है कि यह दुर्घटना दिवाली के अवसर पर बिहार में छठ पूजा के लिए जाने वाली ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण हुई। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

वड़ोदरा मंडल द्वारा टिकट जांच में कीर्तिमान

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के कुशल मार्गदर्शन में एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग की टिकट जांच टीम द्वारा 18 अक्टूबर ,2025 को सघन टिकट जांच आयोजित की गई, जिसमें दिवाली/छठ स्पेशल आदि यात्री गाड़ियों में सघन जांच कर मंडल द्वारा किसी एक दिवस पर सर्वाधिक टिकट जांच आय रु16 लाख 27 हजार अर्जित की गई। यह वडोदरा मंडल द्वारा टिकट जांच इतिहास में एक नया कीर्तिमान है।

इस दौरान कुल 2223 अनियमित यात्रा के केस दर्ज किये गए। उक्त सघन जांच आने वाले दिवसों में भी जारी रहेगी ।

जकार्ता से मदीना जा रही फ्लाइट की तिरुवनंतपुरम में इमरजेंसी लैंडिंग क्यों?

(जीएनएस)। सऊदी एयरलाइंस की एक फ्लाइट को रविवार (19 अक्टूबर 2025) सुबह जकार्ता से मदीना जाते समय केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट करना पड़ा। वजह थी- 'एक इंडोनेशियाई यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ना।'

तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे के अधिकारियों ने पुष्टि की कि विमान में मेडिकल इमरजेंसी के चलते आपातकालीन लैंडिंग हुई। यात्री को तुरंत अनंतपुरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना ने हवाई यात्रा में आपातकालीन प्रबंधन की अहमियत को फिर उजागर किया।

क्या हुआ था? मेडिकल इमरजेंसी की वजह

सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट SV-567 (जकार्ता-मदीना) रविवार सुबह 7:30 बजे (IST) उड़ान भरने के कुछ घंटों बाद अरब सागर के ऊपर थी, जब एक 45 वर्षीय इंडोनेशियाई यात्री अचानक बेहोश हो गया। क्रू मेंबर्स ने तुरंत ऑक्सीजन दी,

लेकिन स्थिति गंभीर होने पर कप्तान ने नजदीकी हवाई अड्डे पर लैंडिंग का फैसला किया। तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे को सबसे सुरक्षित और नजदीकी विकल्प चुना गया।

हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने ANI को बताया, 'विमान सुबह 9:45 बजे सुरक्षित उतरा। मेडिकल टीम ने यात्री को तुरंत अनंतपुरी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत स्थिर है।' प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यात्री को हार्ट अटैक या गंभीर चक्कर की शिकायत थी। फ्लाइट ने 2 घंटे बाद मदीना के लिए उड़ान भरी।

आपातकाल में तत्परता

तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (TRV) केरल का प्रमुख हवाई अड्डा है, जो मेडिकल और तकनीकी आपात स्थितियों को संभालने में सक्षम है।

सुविधाएं: 24/7 मेडिकल यूनिट, एम्बुलेंस, और प्रशिक्षित स्टाफ।

महत्व: खाड़ी देशों और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए ट्रांजिट हब।

तत्परता: इस घटना में हवाई अड्डे ने 15 मिनट में मेडिकल व्यवस्था की।

भारत-चीन उड़ानों का नया दौर

इस बीच, भारत-चीन संबंधों में गर्माहट का असर हवाई यात्रा पर दिख रहा है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस 9 नवंबर 2025 से शंघाई-नई दिल्ली के बीच सीधी उड़ानें शुरू करेगी। यह फैसला अगस्त 2025 में तियानजिन में रउड समिट में ढट नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद हुआ। उड़ान शंघाई (पुडोंग) से दोपहर 12:50 बजे उड़ेगी और दिल्ली (IGI) पर शाम 5:45 बजे पहुंचेगी। यह 5 साल बाद पहली सीधी उड़ान होगी, जो दोनों देशों के राजनयिक और आर्थिक रिश्तों को मजबूत करेगी।

यह घटना हवाई यात्रा में मेडिकल इमरजेंसी प्रबंधन की अहमियत दिखाती है। तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे और सऊदी एयरलाइंस की त्वरित कार्रवाई ने यात्री की जान बचाई। भारत की मेडिकल तत्परता फिर से चर्चा में है।

38 साल तक प्यून दास अंकल ने बजाई स्कूल की घंटी, आखिरी 'टन-टन' ने रुलाया

(जीएनएस)।

बेंगलुरु के बिशप कॉटन गर्ल्स स्कूल में 38 साल तक प्यून के रूप में सेवा देने वाले दास अंकल का आखिरी दिन हर किसी के लिए भावुक कर देने वाला था। उनकी अंतिम घंटी की 'टन-टन' ने स्कूल के बच्चों, शिक्षकों और स्टाफ को रुला दिया।

इस मार्मिक पल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसे 1.5 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इंस्टाग्राम पर शेयर इस वीडियो ने दास अंकल की सादगी और समर्पण को अमर कर दिया। आइए, जानते हैं उनकी कहानी और इस भावुक विदाई ने इंटरनेट को कैसे छुआ...

आखिरी घंटी: 38 साल की सेवा का अंत

दास अंकल ने 1986 में बिशप कॉटन गर्ल्स स्कूल में प्यून के रूप में काम शुरू किया था। तब से हर सुबह और दोपहर, उनकी घंटी स्कूल की धड़कन बनी। शनिवार (18 अक्टूबर) को जब उन्होंने आखिरी बार घंटी बजाई, तो स्कूल का माहौल गमगीन हो गया। वीडियो में दास अंकल को घंटी बजाते और बच्चों-शिक्षकों के साथ विदाई लेते देखा गया। बच्चे तालियां बजा रहे थे, लेकिन उनकी आंखें नम

थीं। स्कूल स्टाफ ने बताया, 'दास अंकल की मुस्कान और बच्चों से प्यार स्कूल की पहचान थी। वे बच्चों को अपने परिवार की तरह मानते थे।'

इंस्टाग्राम हैंडल @amikutty ने वीडियो शेयर किया, जिसे 1.57 करोड़ व्यूज और 27 लाख लाइक्स मिले। कैप्शन में लिखा, '38 साल बाद, दास अंकल ने आखिरी घंटी बजाई। उनकी मुस्कान, समर्पण और शांत उपस्थिति स्कूल की आत्मा थी। आज हम उनकी सेवा का जश्न मना रहे हैं।' वीडियो में दास अंकल को घंटी बजाते और बच्चों के बीच मुस्कुराते देखा गया। एक दृश्य में वे स्कूल के गलियारे में चलते हुए अलविदा कहते दिखे।

दास अंकल: सादगी और समर्पण की मिसाल

दास अंकल (उम्र करीब 60 वर्ष) ने 38 साल तक स्कूल में न सिर्फ घंटी बजाई, बल्कि बच्चों की मदद की, कक्षाएं सजाईं, और स्कूल को परिवार की तरह संभाला। स्टाफ के मुताबिक, उनकी मेहनत और हंसमुख स्वभाव ने सभी को प्रेरित किया। एक शिक्षक ने कहा, 'वे सुबह सबसे पहले आते और आखिरी में जाते। बच्चे उन्हें 'अंकल' कहकर पुकारते थे।'

काम का सम्मान: छोटा-बड़ा नहीं, नीयत मायने रखती है

दास अंकल की कहानी साबित करती है कि काम की कीमत मेहनत और ईमानदारी से तय होती है। उनकी आखिरी घंटी सिर्फ धातु की आवाज नहीं, बल्कि दशकों की लगन और प्रेम का प्रतीक थी। स्कूल प्रबंधन ने उनकी सेवा के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया, जिसमें उन्हें शॉल और उपहार दिए गए।

बिशप कॉटन गर्ल्स स्कूल : बेंगलुरु का गौरव

बिशप कॉटन गर्ल्स स्कूल बेंगलुरु का ऐतिहासिक स्कूल है। 1865 में स्थापित, यह भारत के सबसे पुराने बोर्डिंग स्कूलों में से एक है। यहाँ की शिक्षा और अनुशासन की देशभर में चर्चा है। दास अंकल जैसे कर्मचारी इसकी धरोहर का हिस्सा रहे।

दास अंकल की आखिरी घंटी ने न सिर्फ स्कूल, बल्कि इंटरनेट को भी भावुक कर दिया। उनकी कहानी सिखाती है कि समर्पण की कोई कीमत नहीं। यह वीडियो हमें याद दिलाता है कि छोटे काम भी बड़े बदलाव लाते हैं।

'अध्यक्ष जी बताइए क्या करें, टिकट दिलवाइए', कांग्रेस में घोटाला शुरू, एमएलए आलम का वायरल ऑडियो सुन दंग रह जाएंगे

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले कांग्रेस पार्टी पर टिकटों की खरीद-फरोख्त को लेकर नए आरोप सामने आए हैं। ये आरोप बिहार के पूर्णिया जिले की कस्बा विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री और चार बार के विधायक आफाक आलम ने लगाया है। आफाक आलम का कांग्रेस से टिकट कट गया है। उन्होंने पार्टी पर 'टिकट चोर' होने का आरोप लगाया और कहा कि जो कांग्रेस एनडीए पर 'वोट चोर' होने का आरोप लगाती है वही खुद पैसों के आधार पर टिकट बांटती है।

आलम ने बताया कि उनका टिकट साजिश और धनबल के तहत काटा गया है और इस तरह के टिकट पाने वाले विजेता केवल अपनी रकम वापस निकालेंगे। इसी बीच आफाक आलम और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के बीच हुई बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। ऑडियो में साफ सुनाई दे रहा है कि कैसे टिकटों के बंटवारे में पैसों का खेल और दबाव का खेल चल रहा है। वनइंडिया हिंदी ने इस ऑडियो की पुष्टि नहीं की है, लेकिन वायरल क्लिप में बातचीत की झलक स्पष्ट है।

आफाक आलम और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के बीच वायरल ऑडियो में क्या हुई बातचीत?

आफाक आलमः "अध्यक्ष जी, बताइए ना, अब हम क्या करें, बैठे हुए हैं?"

राजेश रामः "यहां एक मुकतु हैं, कोई इरफान हैं। आपके टिकट पर हम साइन कर दिए हैं, लेकिन अब प्रभारी के पास है। खेल, हाथी, घोड़ा सब हो रहा है।"

आफाक आलमः "तो हमको दे दिजिए?"

राजेश रामः "हम तो साइन करके दे ही दिए हैं, अब क्षेत्र पर चले आए।" आफाक आलमः "धन्यवाद आपका सर।"

इस बातचीत में राजेश राम ने साफ कहा कि टिकटों के साइन तो कर दिए गए हैं, लेकिन प्रभारी के पास अभी रोक है।

आफाक आलमः "तो फिर ये क्या खेल हो रहा है सर?"

राजेश रामः "खेल, हाथी-घोड़ा सब हो रहा है। हमने कहा था कि किसी भी विधायक का टिकट नहीं कटना चाहिए।"

आफाक आलमः "आप ऊपर खबर कर दीजिए सर।"

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस परेड के दौरान हेड कांस्टेबल श्री राजेश प्रधान को पुलिस पदक प्रदान किया गया

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के रेलवे सुरक्षा बल के लिए यह गर्व और गौरव का क्षण है कि वडोदरा मंडल के मंडल कार्यालय में कार्यरत हेड कांस्टेबल श्री राजेश प्रधान को वर्ष 2024 के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदया दवारा पुलिस पदक (से सम्मानित किया गया। माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को आयोजित 41वें रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस परेड के दौरान वलसाड में संपन्न हुए भव्य समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार श्री राजेश प्रधान को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा एवं रेल सम्पत्ति और यात्रियों की सुरक्षा हेतु समर्पण के सम्मानस्वरूप प्रदान किया गया है।

पालक्काड रेलवे स्टेशन पर युवक का जबड़ा अटका, रेलवे डॉक्टर ने यूं बचाई जान

(जीएनएस)।

केरल के पालक्काड जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक चौंकाने वाली घटना ने सबको हैरत में डाल दिया। एक 24 वर्षीय युवक का जबड़ा अटक गया, और वह मुंह बंद नहीं कर पा रहा था। रेलवे के मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितिन पीएस ने तुरंत पहुंचकर आपातकालीन उपचार किया, जिससे युवक की हालत स्थिर हुई। इस घटना का वीडियो दक्षिण रेलवे ने पर शेयर किया, जो वायरल हो गया।

एक यूजर ने कमेंट किया, 'उबासी में मुंह ज्यादा खोलने से ऐसा हो जाता है। गाल की मालिश से 2-3 मिनट में ठीक हो सकता है।' आइए, इस घटना, पालक्काड स्टेशन की

खासियत, और जबड़े अटकने की स्थिति पर नजर डालते हैं।

घटना शनिवार को पालक्काड जंक्शन के प्लेटफॉर्म 2 पर हुई। कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 22503) में यात्रा कर रहे एक युवक को अचानक जबड़े में दर्द शुरू हुआ, और वह मुंह बंद नहीं कर पाया। यात्रियों की सूचना पर स्टेशन स्टाफ ने तुरंत ऊटड डॉ. जितिन पीएस को बुलाया।

डॉ. जितिन ने बताया, 'युवक को टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट डिसलोकेशन हुआ था। हमने मैनुअल रिडक्शन तकनीक से 5 मिनट में जबड़ा सेट किया।' उपचार के बाद युवक ने बिना देरी के यात्रा जारी रखी। वायरल वीडियो में डॉ. जितिन को जबड़े पर नीचे और पीछे दबाव डालते देखा गया, जो ळटख डिसलोकेशन का मानक इलाज है। वीडियो को 3 लाख+ व्यूज और सैकड़ों कमेंट्स मिले। दक्षिण रेलवे ने पर लिखा, 'पालक्काड जंक्शन पर त्वरित चिकित्सा सहायता। यात्री सुरक्षित यात्रा पर।' पालक्काड जंक्शन दक्षिण रेलवे के पालक्काड डिवीजन का महत्वपूर्ण स्टेशन है।

महत्व: कोयंबटूर और त्रिवेंद्रम को जोड़ता है। मालाबार क्षेत्र का पर्यटन केंद्र। रोजाना 50+ ट्रेनें रुकती हैं।

सुविधाएं: 4 प्लेटफॉर्म, फ्री वाई-फाई, रेलवे अस्पताल, और 24/7 मेडिकल यूनिट। इस घटना में मेडिकल सुविधा ने तेजी दिखाई।

इजराइल ने फिर गाजा पर किया हवाई हमला, बरसाए बम, युद्धविराम का किया 'खुला उल्लंघन'

(जीएनएस)।

इजरायली सेना ने रविवार को राफा और दक्षिणी गाजा के अन्य इलाकों में हवाई हमले किए और फिर बम बरसाए। जिसके बाद दोनों देशों के बीच फिर तनाव बढ़ गया है। इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसके बाद एक इमरजेंसी मीं टिंग बुलाई। देश के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने राफा में इजरायली हमलों और गाजा में मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी।

इजरायली ब्रॉडकास्टर चैनल 12 के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू और रक्षा मंत्री काट्ज ने सेना के सदस्यों के साथ स्थिति पर फोन पर चर्चा की। इजरायल के सार्वजनिक ब्रॉडकास्टर ने बताया कि ये हमले हमास सदस्यों के साथ "गोलीबारी के आदान-प्रदान" के बाद हुए।

कतर स्थित अल जजीरा ने खबर दी कि राफा में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) के फटने से इजरायली सैनिकों को चोटें आईं। ब्रॉडकास्टर ने कहा कि यह "इजरायली सेना के साथ युद्ध के दौरान काम कर रहे एक सशस्त्र मिलिशिया की मौजूदगी" के कारण हुआ।

एएफपी की एक अलग रिपोर्ट के अनुसार, राफा के दक्षिणी शहर के कुछ हिस्सों में लड़ाई छिड़ गई, जो अभी भी इजरायली नियंत्रण में थे, जिसके बाद दो हवाई हमले हुए। एक इजरायली अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि हमास के लड़ाकों ने स्नाइपर फायर और रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड से इजरायली सेना पर हमला किया था।

इजरायल ने हमास पर युद्धविराम का "खुले तौर पर उल्लंघन" करने का आरोप लगाया और कहा कि उसके सैनिकों पर आरपीजी और स्नाइपर द्वारा हमला किया गया था। प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का मानना है कि गाजा में युद्ध तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक हमास निहत्था नहीं हो जाता और फिलिस्तीनी क्षेत्र का विसैन्यीकरण नहीं हो जाता।

शनिवार को इजरायली चैनल 14 पर अपनी उपस्थिति में उन्होंने कहा, "जब यह सफलतापूर्वक पूरा हो जाएगा - उम्मीद है कि आसान तरीके से, लेकिन अगर नहीं, तो कठिन तरीके से - तब युद्ध समाप्त हो जाएगा।"

इस बीच, हमास ने इजरायल पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "नेतन्याहू के अपने दायित्वों से बचने के प्रयास उनके अपने चरमपंथी आतंकवादी गठबंधन के दबाव में आते हैं, क्योंकि वह मध्यस्थों और गारंटरियों के प्रति जिम्मेदारी से बचना चाहते हैं।"

बिहार चुनाव में जीत के लिए एनडीए ने झोंकी पूरी ताकत, गृहमंत्री अमित शाह करेंगे धुआंधार 25 रैलियां

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, एनडीए ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द कई चुनावी रैलियां करेंगे, जबकि गृहमंत्री अमित शाह तो खुद मैदान में उतर चुके हैं। शाह बड़ी चुनावी रैलियों को संबोधित करने के अलावा प्रचार रणनीति बनाने से लेकर बूथ लेवल मैनेजमेंट पर भी बारीकी से नजर रख रहे हैं। सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि पूरे प्रदेश में शाह 25 से ज्यादा चुनावी सभाएं करने वाले हैं।

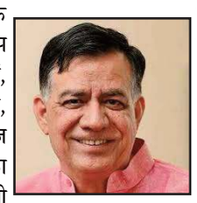

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी 10 से 12 विशाल जनसभाओं को संबोधित करेंगे। अमित शाह 25 से अधिक रैलियों के जरिए चुनावी माहौल बनाएंगे। इसके अलावा, एनडीए के कई बड़े नेता भी चुनाव प्रचार में उतर सकते हैं। इसमें चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण जैसे नाम शामिल हैं।

- सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी की रैलियां 23 अक्टूबर से शुरू होंगी। उनका पहला चरण दरभंगा, मुजफ्फरपुर और पटना में होगा। इसके बाद वे 1 नवंबर को छपरा, पूर्वी चंपारण और समस्तीपुर और 3 नवंबर को पश्चिम चंपारण, सहरसा और अररिया में सभाएं करेंगे।
- बीजेपी और जेडीयू पहली बार बराबर-बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। इसलिए दोनों दलों ने प्रचार में कोई ढिलाई नहीं छोड़ी है। केंद्रीय कैबिनेट के कई मंत्री और बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी प्रचार में उतरेंगे।
- महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पवन कल्याण ने कई रैलियां की थीं। सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण समेत एनडीए के नेता बिहार में चुनाव प्रचार करते नजर आ सकते हैं।

भाजपा के दिग्गज नेताओं को मिली है प्रचार की कमान

बीजेपी से जुड़े दिग्गजों का कहना है कि गृहमंत्री अमित शाह के अलावा बीजेपी के दिग्गज नेता जमकर चुनाव प्रचार करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, बिहार के बड़े नेता और सांसद अलग-अलग क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पहले ही अपने प्रचार अभियानों की शुरूआत कर चुके हैं। एनडीए का फोकस इस बार "डबल इंजन की सरकार, विकास और स्थिरता" के एजेंडे पर है, जबकि विपक्ष में महागठबंधन की आंतरिक कलह चुनावी नैरेटिव को कमजोर करती दिख रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव में गूंजी 'बाहुबल' की धमक, जेल में बंद डॉन के परिवार मैदान में, किसकी पत्नी-बेटा लड़ रहे चुनाव

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एक बार फिर बाहुबल और परिवारवाद की राजनीति हावी दिख रही है। मोकामा से लेकर सीवान तक, दशकों से चले आ रहे पुराने 'दबंग' नाम एक नए अवतार में चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। सूबे की करीब दर्जन भर सीटों पर या तो खुद बाहुबली नेता (जो जेल से भी चुनाव लड़ रहे हैं) या फिर उनकी नई पीढ़ी - बेटे, पत्नियां, और भाई - सियासी विरासत संभालने को तैयार हैं।

यह नजारा स्पष्ट करता है कि बिहार की राजनीति में आज भी 'बाहुबल परिवार' का प्रभाव कम नहीं हुआ है, बल्कि उसने बस चेहरे बदले हैं। यह ट्रेंड तेजस्वी यादव और चिराग पासवान जैसे युवा नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है, जो 'बदलाव' की राजनीति का दावा करते हैं, लेकिन बाहुबलियों की यह वापसी चुनावी समीकरणों को जटिल बना रही है।

अनंत सिंह परिवार (मोकामा, पटना)

मोकामा के 'छोटे सरकार' कहे जाने वाले बाहुबली अनंत सिंह एक बार फिर जेडीयू के टिकट पर मोकामा से चुनाव लड़ रहे हैं। 2022 में सजा होने के बाद उनकी विधायकी खत्म हो गई थी, जिसके बाद उनकी पत्नी नीलम देवी आरजेडी के टिकट पर उपचुनाव जीती थीं। अब कोर्ट से बरी होने के बाद अनंत सिंह खुद मैदान में हैं। मोकामा की राजनीति एक तरह से "अनंत बनाम सूरजभान परिवार" की परंपरागत जंग बन गई है।

सूरजभान सिंह परिवार (मोकामा)

पूर्व बाहुबली सांसद सूरजभान सिंह खुद चुनाव नहीं लड़ रहे, लेकिन उनकी पत्नी वीणा देवी आरजेडी के टिकट पर मोकामा से मैदान में हैं। उनकी सीधी टक्कर अनंत सिंह से मानी जा रही है, जिससे एक बार फिर "मोकामा की बाहुबल बनाम बाहुबल" वाली लड़ाई देखने को मिलेगी।

आनंद मोहन परिवार (नवीनगर, औरंगाबाद)

पूर्व राजद सांसद और "राजपूत बाहुबली" आनंद मोहन भले ही आजीवन कारावास के बाद राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, लेकिन उनके बेटे चेतन आनंद अब जेडीयू के टिकट पर

नवीनगर से चुनाव लड़ रहे हैं। 2020 में शिवहर से आरजेडी के टिकट पर जीतने वाले चेतन अब अपनी पार्टी और सीट बदलकर पिता की सामाजिक पकड़ को आगे बढ़ा रहे हैं।

अशोक महतो परिवार (वारिसलीगंज सीट, नवादा)

आरजेडी ने अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी को वारिसलीगंज से टिकट दिया है। उनका मुकाबला बीजेपी की अरुणा देवी से है, जो दूसरे बाहुबली अखिलेश सरदार की पत्नी हैं। यह सीट "दो बाहुबलियों की पत्नियों" के बीच की टक्कर के लिए सबसे चर्चित मानी जा रही है। अशोक महतो अपनी सजा पूरी करके जेल से बाहर हैं।

मुन्ना शुक्ला परिवार (लालगंज, वैशाली)

बृज बिहारी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट से उम्रकैद की सजा काट रहे बाहुबली मुन्ना शुक्ला जेल में हैं। उनकी विरासत को उनकी बेटी शिवानी शुक्ला वैशाली के लालगंज सीट से आरजेडी के टिकट पर आगे बढ़ा रही हैं। मुन्ना शुक्ला लालगंज से तीन बार विधायक रहे हैं।

शहाबुद्दीन परिवार (रघुनाथपुर सीट, सीवान)

दिवंगत राजद बाहुबली नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब इस बार रघुनाथपुर सीट से आरजेडी के उम्मीदवार हैं। लंदन से कानून की पढ़ाई के बाद बिहार लौटे ओसामा सीवान में अपने पिता की राजनीतिक विरासत को जीवित रखने के लिए प्रचार में जुटे हैं।

ये भी पढ़ें: ईं१ उँ४ल्लं५ श्रींङ्गः टिकट नहीं मिलने पर कुर्ता फाड़ बिलखने लगे नेताजी, तेजस्वी यादव पर भी फूटा गुस्सा

राजवल्लभ यादव परिवार (नवादा)

आरजेडी के पूर्व मंत्री राजवल्लभ यादव की पत्नी विभा देवी नवादा से जेडीयू की प्रत्याशी हैं। नाबालिग से रेप केस में बरी होकर राजबल्लभ के जेल से बाहर आने के बाद विभा देवी ने पाला बदल लिया है, जो पहले आरजेडी की विधायक थीं।

सुनील पांडे परिवार (तरारी सीट, भोजपुर)

पूर्व जेडीयू विधायक सुनील पांडे के बेटे विशाल प्रशांत तरारी सीट से उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद अब फिर से मैदान में हैं। वहीं, सुनील पांडे के भाई हुलास पांडेय एलजेपी (आर) के टिकट पर ब्रह्मपुर से चुनाव लड़ रहे हैं।

अमरेंद्र पांडेय परिवार (कुचायकोट, गोपालगंज)

बाहुबली विधायक अमरेंद्र पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय कुचायकोट से लगातार छठी बार चुनाव जीतने के लिए मैदान में हैं। वह 2005 से लगातार जेडीयू के टिकट पर जीतते आ रहे हैं।

रीतलाल यादव (दानापुर, पटना)

आरजेडी विधायक और लालू यादव के करीबी कहे जाने वाले रीतलाल यादव फिलहाल जेल में हैं, लेकिन आरजेडी ने उन्हें दानापुर से फिर से टिकट दिया है। 2020 में भी वे आरजेडी के टिकट पर दानापुर से चुनाव जीते थे।

प्रभुनाथ सिंह परिवार (मांझी और बनियापुर)

विधायक अशोक सिंह हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के बेटे रणधीर सिंह (जेडीयू से मांझी) और भाई केदारनाथ सिंह (बीजेपी से बनियापुर) चुनावी मैदान में हैं। केदारनाथ के सामने आरजेडी ने दिवंगत अशोक सिंह की पत्नी चांदनी सिंह को उतारा है।

मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह (एकमा, सारण)

सीएम नीतीश कुमार के करीबी माने जाने वाले धूमल सिंह एकमा से जेडीयू के टिकट पर एक बार फिर चुनाव लड़ रहे हैं।

लगभग 22 बाहुबली या उनके परिजन मैदान में

कुल मिलाकर, इस चुनाव में करीब 22 बाहुबली या उनके परिजन अपना भाग्य आजमा रहे हैं। इसमें सबसे अधिक 9 बाहुबली और उनके परिजन आरजेडी से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि जेडीयू से 7, बीजेपी से 4 और चिराग की एलजेपी (आर) से 2 प्रत्याशी मैदान में हैं। यह संख्या बताती है कि बिहार की राजनीति में बाहुबल का प्रभाव अब भी कितना गहरा है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

(जीएनएस)।

लखनऊ। विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें जीवन में सत्य, सदाचार, सहयोग और सद्भाव के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप प्रज्वलन का पर्व नहीं, बल्कि यह आत्मचिंतन, आत्मविकास और समाज में प्रेम व एकता का संदेश देने का अवसर भी है। हमें इस दिन यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने आस-पास के लोगों के जीवन में भी खुशियों का प्रकाश फैलाएं और जरूरतमंदों की सहायता कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाएं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि दीपावली का पर्व भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ समाज में सकारात्मकता फैलाने की प्रेरणा देता है।

श्री महाना ने कामना की है कि यह दीपावली सभी के जीवन में नई ऊर्जा, सुख, समृद्धि और उजाला लेकर आए तथा प्रदेश निरंतर विकास और सद्भाव की राह पर अग्रसर हो।

राष्ट्रीय जल पुरुष सम्मान से सम्मानित होंगे शाहजहाँपुर के डॉ. आनंद प्रकाश मिश्र

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह 2026 में उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहाँपुर के सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. आनंद प्रकाश मिश्र को देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय जल पुरुष सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

यह भव्य समारोह 22 मार्च 2026 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर देशभर के जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्द्धन एवं सतत विकास क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा।

संस्थान के अध्यक्ष राम विलास वर्मा ने इस जानकारी की पुष्टि करते हुए कहा कि डॉ. आनंद प्रकाश मिश्र ने जल संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में जो अनुकरणीय योगदान दिया है, वह न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनके कार्यों से समाज में जल बचाओ आंदोलन को नई दिशा मिली है।

26 लाख दीयों से रोशन रामनगरी, 2128 लोगों ने की आरती

(जीएनएस)।

राम नगरी अयोध्या ने छोटी दिवाली के मौके पर दीपोत्सव 2025 को चमक से सराबोर कर इतिहास रच दिया। सरयू नदी के 56 घाटों पर 26,17,215 दीयों की रोशनी ने नया वर्ल्ड रिकार्ड बनाया, जबकि 2,128 लोगों ने एक साथ सरयू आरती कर दूसरा रिकॉर्ड कायम किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दोनों रिकॉर्ड्स के सर्टिफिकेट सौंपे गए। इस भव्य आयोजन में ड्रोन शो, लेजर डिस्प्ले, और आतिशबाजी ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

योगी ने कार्यक्रम में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा, 'जिन्होंने राम को मिथक कहा, वे अब दीपोत्सव पर सवाल उठा रहे हैं।' आइए, जानते हैं इस दीपोत्सव का पूरा इतिहास...

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, और अयोध्या के सहयोग से आयोजित दीपोत्सव ने दुनिया को चकाचौंध कर दिया।

पहला रिकॉर्ड: सरयू के 56 घाटों पर 26,17,215 तेल के दीये जलाए गए। यह संख्या पिछले साल के 22 लाख से 4 लाख ज्यादा है। गिनीज

अधिकारी निश्चल बरोत ने ड्रोन से गिनती कर सर्टिफिकेट जारी किया। योगी आदित्यनाथ ने राम की पैड़ी पर दीये जलाकर रिकॉर्ड बनाया।

दूसरा रिकॉर्ड: 2,128 लोगों ने सरयू आरती की। यह पिछले साल के 1,151 से दोगुना है। वेदाचार्य, संत, और भक्तों ने सामूहिक आरती की, जो गिनीज बुक में दर्ज हो गया।

योगी आदित्यनाथ ने सर्टिफिकेट लेते हुए कहा, 'ये रिकॉर्ड अयोध्या की आस्था और उत्तर प्रदेश की पहचान हैं। 500 वर्षों के अंधकार के बाद राम नगरी फिर जगमगा रही है।' कार्यक्रम में राम-सीता-लक्ष्मण के वेश में कलाकारों की आरती और पुष्पक विमान का चित्रण भी हुआ।

दीपोत्सव का सफर: 2017 से गिनीज की चेन

अयोध्या दीपोत्सव 2017 से शुरू हुआ, जब 1 लाख दीये जलाए गए। हर साल संख्या बढ़ी:-

2017: 1 लाख दीये।
2020: 5 लाख दीये।
2023: 22.39 लाख दीये
2024: 23.71 लाख दीये।
2025: 26.17 लाख दीये (नया रिकॉर्ड)।

इस बार 33,000 स्वयंसेवकों ने 55 लाख बातियां और 73,000 लीटर तेल का इस्तेमाल किया। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, 'यह आयोजन आस्था, संस्कृति, और पर्यटन का प्रतीक है। 2025 में 23.82 करोड़ पर्यटक अयोध्या पहुंचे।'

योगी का हमला: 'राम को मिथक कहा, अब दीपोत्सव पर जलन'

कार्यक्रम से पहले योगी ने संतों और महंतों से मुलाकात की। उन्होंने कांग्रेस-रढ पर तंज कसा-

'राम जन्मभूमि आंदोलन में कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि भगवान राम मिथक हैं। रढ ने राम भक्तों पर गोलियां चलाईं।'

'ये वही लोग हैं जो बाबर की कब्र पर सजदा करते हैं, लेकिन राम मंदिर उद्घाटन का न्योता ठुकराते हैं।'

'सैफई महोत्सव पर खर्च करने वाले अब दीपोत्सव पर जलन महसूस करते हैं। 26 लाख दीये कुम्हारों की मेहनत से बने, जिन्हें विपक्ष काम नहीं देना चाहता था।'

'डबल इंजन सरकार ने अयोध्या को गुलामी की गलियों से निकालकर राम राज्य का स्वरूप दिया।'

अयोध्या की चमक

दीपोत्सव 2025 ने अयोध्या को वैश्विक पटल पर चमकाया।

दिवाली पर ठाकरे ब्रदर्स की बढ़ी मुश्किल, मुंबईकरों ने उद्धव-राज ठाकरे के खिलाफ पुलिस में दर्ज करवाई शिकायत

(जीएनएस)।

मुंबई के दादर शिवाजी पार्क के निवासियों ने दिवाली के अवसर पर आयोजित 'दीपोत्सव' कार्यक्रम में पटाखों के इस्तेमाल को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इस कार्यक्रम में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पटाखों से हुए ध्वनि और वायु प्रदूषण ने बॉम्बे हाई कोर्ट के दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया। निवासियों ने कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बताया जाता है कि राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे और उनके परिवार को दीपोत्सव कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। यह कार्यक्रम मनसे द्वारा आयोजित किया गया था।

शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में दर्ज लिखित शिकायत में निवासियों ने

बॉम्बे हाई कोर्ट के उस निर्देश का हवाला दिया है, जो रात 8 बजे से रात 10 बजे के बीच ही पटाखे फोड़ने की अनुमति देता है। उन्होंने यह भी बताया कि हर साल बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होकर पटाखे फोड़ते हैं, जिससे निवासियों, खासकर बुजुर्गों को काफी परेशानी होती है।

शिकायत में अधिकारियों से उन लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है, जिन्होंने समय प्रतिबंधों का पालन नहीं किया और क्षेत्र में ध्वनि और वायु प्रदूषण में योगदान दिया। यह कार्रवाई अदालत के आदेशों के अनुसार करने की मांग की गई है।

शिवाजी पार्क के निवासियों द्वारा लगातार फॉलो-अप के बाद, बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2010 में एक आदेश जारी किया था, जिसमें शिवाजी पार्क और उसके आसपास के क्षेत्र को 'साइलेंस जोन' घोषित किया गया था।

यह निर्देश शिवाजी पार्क खेल के मैदान से संबंधित है, जिसे बॉम्बे हाई कोर्ट साल में 45 दिनों के लिए गैर-खेल गतिविधियों के लिए उपयोग करने की अनुमति देता है। यह मैदान अक्सर राजनीतिक आयोजनों और रैलियों के लिए उपयोग किया जाता है, खासकर दिवाली और दशहरा जैसे त्योहारों के दौरान।

इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति साल में केवल चार दिनों के लिए है। निवासियों का कहना है कि इस नियम का भी अक्सर उल्लंघन होता है।

अमेरिका में महा-विस्फोट! 2700 शहरों में सड़कों पर क्यों उतरे लोग?

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन 'नो किंग्स' ने जोर पकड़ लिया है। ट्रंप की कथित तानाशाही और कठोर नीतियों के खिलाफ लाखों लोग सड़कों पर उतर आए हैं, जिसकी गूंज छोटे शहरों से लेकर न्यूयॉर्क जैसे महानगरों तक सुनाई दे रही है। 2,700 से अधिक स्थानों पर हो रहे इन प्रदर्शनों में नागरिक 'रेसिस्ट फासीवाद' और 'नथिंग इज मोर पैट्रियोटिक दैन प्रोटेस्टिंग' जैसे नारों वाले पोस्टर लेकर ट्रंप प्रशासन की नीतियों का विरोध कर रहे हैं।

2,700 से अधिक स्थानों पर हो रहे इन प्रदर्शनों में नागरिक 'रेसिस्ट फासीवाद' और 'नथिंग इज मोर पैट्रियोटिक दैन प्रोटेस्टिंग' जैसे नारों वाले पोस्टर लेकर ट्रंप प्रशासन की नीतियों का विरोध कर रहे हैं। यह व्यापक जनाक्रोश तब उभरा है जब देश संघीय सरकार के शटडाउन और वाशिंगटन में फंडिंग बिल पर गतिरोध का सामना कर रहा है, जिससे अमेरिकी राजनीति में उबाल आ गया है।

इस देशव्यापी प्रदर्शन को 'नो किंग्स' नाम दिया गया है, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'अमेरिका का कोई राजा नहीं है'। यह अवधारणा 1776 में अमेरिका की आजादी के बाद से चली आ रही है, जो यह दशार्ती है कि अमेरिका एक बिना राजा वाला देश है, जहां किसी निरंकुश शासक या राजा का आदेश नहीं चलेगा। 200 से अधिक संगठनों ने मिलकर 'नो किंग्स' नामक एक गठबंधन बनाया है, जिसमें अधिकतर वामपंथी विचारधारा से जुड़े संगठन शामिल हैं। जून में भी ऐसे ही प्रदर्शन हुए थे, और अब यह आंदोलन 2,700 से अधिक शहरों और कस्बों में फैल गया है।

क्यों हो रहा है विरोध?

'द गार्जियन' की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, हर जगह ट्रंप की नीतियों के खिलाफ लोगों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। प्रदर्शनकारी अपने हाथों में 'रेसिस्ट फासीवाद' और 'नथिंग इज मोर पैट्रियोटिक दैन प्रोटेस्टिंग' जैसे नारे लिखे पोस्टर लेकर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे हैं। पुलिस रिपोर्टों के अनुसार, ये प्रदर्शन अधिकतर शांतिपूर्ण रहे हैं और किसी बड़ी घटना या गिरफ्तारी की खबर नहीं मिली है।

तोड़नी होगी परिवहन माफियों की अधिकारियों के साथ जुगलबंदी

जब तक वास्तविक ईंमानदारी को पुरस्कार और स्वार्थपरिता में लिप्त लोगों को खुलेआम दण्ड नहीं मिलेगा तब तक कानून की किताब वाली व्यवस्थाओं का व्यवहारिक होना असम्भव नहीं तो कठिन अवश्य हैं।

कार्यपालिका की मनमानियों के नित नये कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। अप्रिय घटनाओं के मूर्त रूप लेने के बाद प्रशासन जागता है। कार्यवाही का ढोंग शुरू होता है। छोटे कर्मचारियों पर पूरी घटना का दायित्व डालकर मोटी पगार और सुविधायें लेने वाले वातानुवूलित अधिकारी बच निकलते हैं। आखिर उच्चाधिकारियों को ही तो जांच, कर्तव्यपालन और अनुशासन का मूल्यांकन करने के लिए नियुक्त किया जाता है। सरकारी अधिकारी, भाई-भाई और अधिकारी एकता, जिन्दाबाद जैसे नारे बुलंद होने लगते हैं।

अधिकारियों के स्वाथा संगठनों की बैठकों का दौर चलने लगता है।

अधीनस्थ कर्मचारियों के संगठनों को भी सायि कर दिया जाता है। दबाव का माहौल बनाकर प्रस्तुत की जाने वाली आख्या में मनमाने दस्तावेजों की भरमार करके वरिष्ठों को क्लीन चिट दे दी जाती है। सारा का सारा दोष धरातल पर काम करने वाले न्यूनतम वेतनधारियों, संविदा कर्मियों या फिर ठेके पर लगाये गये कर्मचारियों पर मढ कर उनके विरुद्ध कार्यवाही करके औपचारिकताओं को पूरा कर लिया जाता है। जैसलमेर की घटना में 21 लोगों की दर्दनाक मौत कोई नई घटना नहीं हैं।

विगत तीन वर्ष में इस तरह की आधा दर्जन से अधिक घटनाओं में अनगिनत लोगों की असमय मौत हो चुकी है। संचालित हो रही बसों की फिटनेस, परमिट तथा अन्य दस्तावेजों की जांच करने वालों की लापरवाहियां ही इस तरह की घटनाओं के लिए उत्तरदायी होतीं हैं। धरातल पर काम करने वाले कर्मचारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों के इशारे पर ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उत्तर प्रदेश इसका एक बडा उदाहरण है जहां पर वरिष्ठ अधिकारियों के दबाव में धरातल पर काम करने वाला तंत्र अपराधियों पर शिवंजा कर रहा है। पहले भी तंत्र यही था परन्तु तब उच्चाधिकारियों की नीतियां और रीतियों ने कानून की परिभाषायें बदलकर निजी स्वार्थ की परूति का बडा लक्ष्य निर्धारित किया था। परिणामस्वरूप अपराधियों के हौसले इतने बुलंद थे कि सरकारी मुलाजिमों को वे अपना गुलाम मानकर कार्य करवाते थे। जैसलमेर की घटना के परिपेक्ष में देखें तो हालात बद से बद्तर होते जा रहे हैं। परिवहन विभाग, यातायात पुलिस विभाग, टोल नाका जैसे स्थानों पर अनियमितताओं की भरमार है।

महानगरों से स्थाई परमिटधारी बसों से कई गुना ज्यादा निजी बसों का मनमाना संचालित हो रहा है। इन बसों के निर्माण से लेकर संचालन तक ने 'दालमें वुछ काला है' की कहावत के स्थान पर 'दालही काली है' को स्थापित कर दिया है। कभी बसों के ब्रेक फेल हो जाते हैं तो कभी ड्राइवर की लापरवाही सामने आती है।